

हम यहोशू 24:3 में पढ़ते हैं कि परमेश्वर ने इसाव को (सीर की भूमि) एक मातृभूमि दी थी, बहुत पहले कि उसने याकूब, इसाव के भाई, और उसके वंशजों को दी। इसाव को शहर बनाने और किलों को मजबूत करने में 400 साल की बढ़त मिली थी। उसे एक सेना स्थापित करने और एक स्थायी संस्कृति बनाने में बड़ा लाभ था।

जैकब के वंशज, दूसरी ओर, मिस्र में चार सदियों तक दास थे और वादा किए गए देश में जाने और बसने से पहले 40 और वर्ष रेगिस्तान में बिताए। हालांकि, अंततः जैकब के रिश्तेदार अपने चचेरे भाइयों से बढ़ गए और उनका समाज उनके पुराने और अधिक स्थापित चचेरे भाइयों से अधिक प्रभावशाली हो गया।

यहाँ इन प्राचीन संस्कृतियों और आधुनिक युग में हमारे बीच एक समानता है। कभी-कभी हम ईसाइयों के रूप में अपने सांसारिक, अविश्वासी भाइयों से कई मायनों में बहुत पीछे लगते हैं। उदाहरण के लिए, वे प्रौद्योगिकी पर अधिकार रखते हैं, वे धन और प्रभाव को नियंत्रित करते हैं, उनके विचार हमारे विचारों को इस हद तक दबा देते हैं कि हम सोचते हैं कि क्या वास्तव में परमेश्वर हमारे लिए काम कर रहे हैं। लेकिन निश्चित रहें कि एक दिन हम उनसे आगे निकल जाएंगे। एक पल में हम महिमामय प्राणी बन जाएंगे जो यहाँ पृथ्वी पर हमारे अविश्वासी मित्रों द्वारा प्रदर्शित किसी भी शक्ति या क्षमता से परे होंगे।

इसलिए हम दुनिया के लोगों और अपने द्वारा प्राप्त विभिन्न स्तरों की उपलब्धियों या संसाधनों को देखकर निराश न हों। एक दिन हम इन सभी को एक पल में पकड़ लेंगे और उनसे आगे निकल जाएंगे और सोचेंगे कि हमने कभी क्यों चिंता की।